'विकसित यूपी 2047' के विजन को आकार देने में लगे हैं 300 बुद्धिजीवी

जागरण संवाददाता, गोरखपुर

'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश विजन-2047' पर आयोजित कार्यशाला में बोले मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2047 तक विकसित भारत बनाने की संकल्पना के अनुरूप उत्तर प्रदेश सरकार 'विकसित उत्तर प्रदेश विजन 2047' पर काम कर रही है। यह बताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री के आह्वान के तीन साल बाद जब कहीं से इसे लेकर आवाज नहीं आई तो उत्तर प्रदेश ने इसकी शुरुआत की। अगस्त में विकसित उत्तर प्रदेश के लिए एक विजन बनाने को विधानमंडल में लगातार 24 घंटे चर्चा हुई। इस चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए प्रदेश के 300 से अधिक बुद्धिजीवी लगे हैं। यह बुद्धिजीवी प्रदेश की विभिन्न अकादमिक संस्थाओं में जाकर विकसित उत्तर प्रदेश के विजन पर छात्रों व अन्य लोगों से चर्चा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री रविवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की ओर से आयोजित 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश विजन-2047' कार्यशाला को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि बुद्धिजीवियों की टीम अब तक प्रदेश के 110 से अधिक अकादमिक संस्थाओं में भ्रमण कर छात्रों से और जनता से संवाद कर चुकी है। अब आमजन के सुझाव लेने की तैयारी है। कार्यशाला के मंच से मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि हर व्यक्ति सरकार द्वारा जारी 'विकसित उत्तर प्रदेश विजन 2047' के क्यूआर कोड को मोबाइल फोन में स्कैन कर अपने सुझाव अवश्य दे। जिले के विकास से जुड़े सर्वश्रेष्ठ तीन सुझाव और राज्य के विकास से जुड़े पांच सर्वश्रेष्ठ सुझाव को भी सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यशाला में उन्होंने प्रदेश की पूर्व और वर्तमान दशा का विस्तार से उल्लेख किया और भविष्य का एक रोडमैप रखा। मुख्यमंत्री भाजपा के सेवा पखवाड़ा के तहत आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन में भी पहुंचे। यहां उन्होंने एक सर्वे के आधार पर बताया है कि अब प्रदेश के 10 प्रतिशत लोगों को ही रोजगार के लिए बाहर जाना पड़ रहा है। 90 प्रतिशत को प्रदेश में ही काम मिल रहा है।

गोरखपुर में प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। जागरण